

अधःपतन होना 3. नष्ट होने की स्थिति 4. वियोग 5. गर्भपात या गर्भ गिरना।

विछलना अ.क्रि. (तत्.) 1. अस्थिर, चंचल होना 2. अपने स्थान या पद से हटना 3. अपने नियम या सिद्धांत से हटना।

विछालना अ.क्रि. (तत्.) 1. जमीन या फर्श पर चिकनाहट और गीलेपन के कारण पैर आदि का ठीक से न पड़ पाना, रपटना 2. बोलते-बोलते कुछ अनपेक्षित बोल जाना, वाणी का फिसलना 3. प्रवृत्त होना, झुकना।

विछेद पुं. (तत्.) दे. विच्छेद।

विछोह पुं. (तद्.) 1. किसी अपने प्रिय से अलग या दूर होना 2. प्रिय के वियोग से उत्पन्न आत्मीय दुःख, वियोग।

विजट वि. (तत्.) 1. जो जटा रहित हो 2. जिसकी जटाएँ या सिर के बाल बँधे हुए न हो।

विजड़ वि. (तत्.) 1. जो बहुत अधिक या पूरी तरह से जड़ हो चुका हो 2. बेहोश, चेतनारहित।

विजड़ित¹ पुं. (तत्.) 1. अच्छी प्रकार से जड़ा हुआ 2. जिसमें नग आदि जड़े हुए हो 3. जो अच्छी तरह से बँधा या जकड़ा हुआ हो।

विजड़ित² वि. (तत्.) 1. जो जड़ हो गया हो 2. गतिहीन 3. शक्तिहीन।

विजड़ीकरण पुं. (तत्.) किसी को पूर्ण रूप से जड़ या चैतन्यहीन करने की क्रिया 2. जो चैतन्य मुक्त है, उसे जड़ करने की प्रक्रिया।

विजन वि. (तत्.) 1. जो (स्थान) जनरहित हो, जनशून्य 2. एकांत 3. सुनसान पुं. जनशून्य स्थान 2. पंखा।

विजनता स्त्री. (तत्.) जनशून्यता, निर्जनता।

विजनन पुं. (तत्.) संतान को उत्पन्न करना, जन्म देना।

विजना पुं. (तद्.) 1. बॉस, ताड़, खजूर वस्त्र आदि का बना हुआ वह एक उपकरण जिसे हाथ में लेकर हवा के लिए डुलाया जाता है 2. पंखा।

विजन्मा पुं. (तत्.) 1. जारज पुत्र 2. उपपति के द्वारा उत्पन्न पुत्र 3. स्वजाति से च्युत व्यक्ति का पुत्र।

विजयंत पुं. (तत्.) स्वर्ग का देवता या देवेश इन्द्र।

विजय स्त्री. (तत्.) 1. युद्ध या किसी प्रकार के विवाद में होने वाली जीत, जय 2. पुं. काव्य. एक प्रकार का छंद जो 'केशव' के अनुसार सवैया छंद का मत्तगयंद नामक भेद है।

विजय-कुंजर पुं. (तत्.) युद्ध के मैदान में बहादुरी से लड़ने वाला हाथी।

विजय-गर्व पुं. (तत्.) 1. किसी प्रकार की विजय से होने वाला गर्व 2. जीत का अभिमान 3. जीतने का घमंड।

विजयच्छंद पुं. (तत्.) 1. विजय के लिए बना ऐसा हार जिसमें 500 लड़ियाँ या 500 मोती होते हैं।

विजय-डिंडिम पुं. (तत्.) 1. युद्ध के समय बजने वाला एक बड़ा ढोल 2. युद्ध में विजय के उपलक्ष्य में बजाया जाने वाला बड़ा ढोल या नगाड़ा।

विजयदशमी स्त्री. (तत्.) 1. आश्विन मास (क्वार) के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 2. एक विशेष पर्व, दशहरा।

विजयपताका स्त्री. (तत्.) 1. वह विशेष पताका या ध्वज जो युद्ध में विजय प्राप्त करने के बाद फहरायी जाती है, जीत का झंडा 2. युद्ध का विजयसूचक चिह्न।

विजय मर्दल पुं. (तत्.) प्राचीन काल में बजाया जाने वाला एक प्रसिद्ध ढोल।

विजययात्रा स्त्री. (तत्.) 1. युद्ध में विजय प्राप्त करने के बाद हर्षोल्लासपूर्वक होने वाली सामूहिक यात्रा 2. शास्त्रार्थ में या किसी धार्मिक वाद-विवाद में विजय प्राप्ति की खुशी में होने वाली यात्रा।

विजयलक्ष्मी स्त्री. (तत्.) 1. विजय रूपी लक्ष्मी देवी 2. विजय, जीत की देवी 3. जीत रूपी संपत्ति, ऐश्वर्य, विजयश्री।